

राजधानी जयपुर में खुलेआम भूषण लिंग जांच और भूषण हत्या

साढ़े चार हजार रुपए से शुरू और फ्रेनेंसी के सप्ताह के अनुसार बढ़ता है चार्ज

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (कास.)। राजस्थान की राजधानी जयपुर से चिकित्सा विभाग भूषण जांच और भूषण हत्या के खिलाफ अभ्यास को लोड करता है। गुजरात और हरियाणा जैसे राज्यों में जाकर डिकॉय ऑफेसन करता है और कन्ना भूषण हत्या के अपराधियों को गिरफ्तार भी करता है, सोनोग्राफी मशीनें भी सीज करता है। उसी राजधानी जयपुर में खुलेआम लिंग जांच हो रही है और गर्भनात भी किए जा रहे हैं।

जो हाँ चांदी के चंद टुकड़ों के लिए ये खेल एक रिटायर्ड सरकारी चिकित्सक खेल रहा है। जयपुर में खेल से खेल रहा है।

बढ़ता राजस्थान को जब लगातार इस खेल को पिछले कई सालों से खेल रहा है।

● ब्रह्मपुरी स्थित जांच केन्द्र से कराई जा रही है सोनोग्राफी

● डॉक्टर से फोन पर बात करने के बाद सोनोग्राफी सेंटर कर देता है जांच

चिकित्सक की शिक्षायत मिली तो एक टैप (स्टिंग ऑफरेशन) कराया जिसमें हमारे संवाददाता एक महिला और उसके पाते रूप में खुलेआम संवाददाता को प्रेरित करते हुए यहां तक कहा है कि वे लोग ही गर्भात के लिए आते हैं जिनको पहले से कई लड़काया है। फिर उनकी जांच करते हैं और लड़की होती है तो डीएनसी कर देते हैं। उससे ब्रह्मपुरी के एक सोनोग्राफी सेंटर पर रिकॉर्ड किया। चिकित्सक की पर्ची, चीड़ियों पुठेज बढ़ता राजस्थान के पास सुरक्षित हैं।

अभी कल ही एक साढ़े चार माह की डीएनसी की है। बेशम चिकित्सक डीएनसी के लिए महिला संवाददाता को प्रेरित करते हुए यहां तक कहा है कि वे लोग ही गर्भात के लिए आते हैं जिनको पहले से कई लड़काया है। फिर उनकी जांच करते हैं और लड़की होती है तो डीएनसी कर देते हैं। उससे ब्रह्मपुरी के एक सोनोग्राफी सेंटर पर रिकॉर्ड किया। चिकित्सक की पर्ची, चीड़ियों पुठेज बढ़ता राजस्थान के पास सुरक्षित हैं।



चिकित्सक ने मामले के बाबा फर्जी, तो हमारी जिम्मेदारी है पूरे खुलासे की

मामले में चिकित्सक से पक्ष जाना वाहा तो उससे साफ इंकार कर दिया कि ये सब छोड़ी हैं। ऐसे में अब बढ़ता राजस्थान का जनरात में ये दायित्व हो जाता है कि इस मामले की सिलसिलावार सारी परतें खाली। अतः आप लगातार पढ़ते रहें बढ़ता राजस्थान में।

सक्रिय समाचार

नए पोप लियो-14 ने शपथ ली

खुली कार में पहुंचे, कार्डिनल ने अंगूठी पहनाई, अब यही उनकी मुह; 200 वर्ल्ड लीडर्स मौजूद रहे



बढ़ता राजस्थान

हैदराबाद में दर्दनाक हादसा, घारमीनार के पास बिल्डिंग में आग, मृतकों में 8 बच्चे भी थे; संकटी सीढ़ी से निकल नहीं पाए

बढ़ता राजस्थान

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में चार्चमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी सामिल हैं। घारमीनार के समय इमारत में 20 लोग भूमि पूर्ण थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्यूवर्स किया गया। फायर डिग्रेड बता रहा है कि उसके बाद इमारत की गोली भी लग गई। आग बुझाने के लिए उसके बाद इमारत की गोली भी लग गई। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किंट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पूछताह नहीं हुआ है। बच्चों, हादसे में संपर्क के नुकसान का अंदाज भी नहीं लगाया जा सका है। फायर डिग्रेडेंट का कहना है कि सुबह 6:16 बजे उसने कोई सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बोरेशी की हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लॉर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर के फ्लॉर पर खाना बेच रहे थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक पैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक सीढ़ी थी, जिससे लाग बाहर नहीं निकल सके और दस घुटने से मौत हो गई।

यूट्यूबर ज्योति पहलगाम हमले के पहले पाकिस्तान गई थी भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर से संबंध बढ़ता राजस्थान

बढ़ता राजस्थान



परिषदार किया गया है।

उधर, ज्योति के ओडिशा की यूट्यूबर प्रियंका सेनापाति से लिंक सम्पर्क आया है। उसी पुलिस ने ट्रियंका के घर जाकर पूछताछ की थी। उसके बाद ट्रियंका के घर पर भूमि पूर्ण 2024 में पुरी प्रियंका से मिलने आई थी। प्रियंका के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की ज्योति से दोस्ती यूट्यूबर के जरूर हुई थी। उनकी बेटी ने 3-4 महीने पहले एन्टी अन्य दोस्तों के साथ कतारुर साहिब की बायाकी की थी। उनके साथ ज्योति नहीं थी।

पुलिस इसके ट्रियंका के घर जाकर रही है।

यह 4 फेज में बनाया गया है।

शहीद सबके होते हैं इसमें पार्टियों का खेल नहीं चलता : जूली

दिल्ली पुलिस के शहीद जवान की मूर्ति का हुआ अनावरण, पूर्व केबिनेट मंत्री शकुंतला रावत कार्यक्रम में रही मौजूद।

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। दिल्ली पुलिस में कार्यरत शहीद भूपसिंह की इच्छाएँ के दोरान उनके सड़क दुर्घटना में 19 दिसंबर 2017 को मौत हो गई थी। शहीद भूपसिंह की मूर्ति अनावरण समारोह में स्थानीय विधायक देवीसिंह शेखावत रहे नवारद। वहाँ पूर्व केबिनेट मंत्री शकुंतला रावत कार्यक्रम में रही मौजूद। इस मौके पर नेता प्रतिष्ठक टीकाराम जूली ने कहा कि शहीद सबके होते हैं। शहीदों के सम्मान में पार्टी बाजी नहीं देखी जाती। उन्होंने कहा कि हम सब सुरक्षित हो देते हैं तो सिफर अम्बेडकर की प्रतिमा पर माला देश के जवानों के भरोसे आए। जाकर देखो बॉर्डर पर जो मार्झनस 50 डिग्री टेम्परेचर गर्मी और सर्दी को समान कर हमारी सुरक्षा करते हैं। उन्होंने शहीद की राजगढ़ाना ममता देवी, प्रिया बरूलाल सिरोहीवाल सहित सभी जवानों का साल ओढ़ाकर व साफा बाधक समाज किया। वह शहीद के बेटे व बेटी का भी समान किया और लाड़ से दुलारा। कार्यक्रम से पूर्व अम्बेडकर सर्किल पर नेता प्रतिष्ठक टीकाराम जूली का माला साफा पहनाकर सम्मान किया गया। वहाँ जूली व



पूर्व मंत्री ने बाबा सहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माला पहनाकर सम्मान किया। अम्बेडकर सर्किल से शहीद के स्मारक स्थल तक तिसरा यात्रा निकाली गई। वहाँ शहीद की प्रतिमा का लोकप्रिय किया गया। स्त्री द्वारा मिली जानवारों के अनुसार लोगों में चर्चा चली कि दलित सहीद की मूर्ति होते के कारण शाद विधायक देवीसिंह शेखावत शहीद की मूर्ति नजर आ रहे थे। जो विधायक देवीसिंह शेखावत के आगमन पर उठ कर चले गए। वहाँ सिर्फ सहीद के परिजन और कुछ भाजपा के लोग मौजूद थे। शहीद भूपसिंह की प्रतिमा अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि नेता प्रतिष्ठक टीकाराम जूली को माला साफा पहनाकर विधायक को आने

की सलाह दी। जब विधायक देवीसिंह शेखावत वहाँ पहुंचकर शहीद को प्रतिमा के समक्ष अपने साथ उपस्थित दस -बीस भाजपाईयों के साथ फोटो खिंचवाई और भाषण देते हुए वीडियो बायरल किया लेकिन विधायक के समय पर नहीं पहुंचे से लोग काफी गुस्से में नजर आ रहे थे। जो विधायक देवीसिंह शेखावत के आगमन पर उठ कर चले गए। वहाँ सिर्फ सहीद के परिजन और कुछ भाजपा के लोग मौजूद थे। शहीद भूपसिंह की प्रतिमा अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि नेता प्रतिष्ठक टीकाराम जूली विशिष्ट

यादव उर्फ़ चरणसिंह राजथान महिला कांग्रेस की महासचिव गुलाब देवी, मोनोज जूली, ताराचंद सूल्हावाल, मदन लाल मेहरा, मुकेश जिलाला, भासाराम, राजीव मेहरा, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के महासचिव चेतराम, मातादीन प्रधान, धर्मवीर, कबूल चन्द, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के एडवोकेट सुवर्षिंह मोरोदिल्ली, मामचंद, जिला पार्षद प्रतिनिधि रामवतारा मीणा, सरपंच नीरज तोनारियरा, शाहपुर सरपंच प्रतिनिधि जलेसिंह यादव, योगेश यादव, राजन्द आर्य, एडवोकेट खालीराम पलेल, एडवोकेट सुरेश मीणा, शिवदास रावत, एडवोकेट धीरज मीणै, हरिहरीन नेता, एमपीएस बनवारी लाल, नेहा स्कूल के संचालक हीरालाल, रोटी बैंक संचालक डॉ अर.सी.यादव, यादव समाज के अध्यक्ष बूराल, अम्बेडकर समाज कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष बाबू प्रभुद्वयल सुरेहीवाल, भावी समाप्त विद्युत समाज के जातिगत गुरुजर, युवा नेता प्रभानी मीणा, बसपा नेता प्रमाद सुरेहीवाल, सहित काफी संख्या में कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ताओं सहित महिला युवष व बालक-बालिका मौजूद रहे।

पंजाबी समाज द्वारा जातिगत जनगणना के लिए सामाजिक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

बढ़ता राजस्थान

पहुंचने के लिए जिला स्तर पर एक व्यापक अधियान चलाया जाएगा। इस अधियान को गति देने और रणनीति बनाने के लिए यह समाजी मंगलवार, 20 मई 2025 को शाम 5 बजे, पुरुषांशी धर्मशाला स्कीम 2, अलवर में एक बड़ी बैठक का आयोजन नराज होल्ट, अलवर में किया गया। इस बैठक में पंजाबी समाज की जातिगत पहचान को मजबूती प्रदान करने के लिए यह समाज के विभिन्न संस्थान, संगठन, एवं जागरूक सदस्य शामिल होंगे, जहाँ इस अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने पर गहन मंथन किया जाएगा। अभियान को मजबूती प्रदान करने के लिए समाज के विभिन्न संस्थानों में जातिगत सदस्यों ने इस बार पर जारी दिया कि जाति के रूप में शवकीश और भाषा के रूप में पंजाबी का उद्देश्य किया जाए, जिससे समाज के सभी अधिक संख्या में अधिक सकारात्मक बनाया जा सके। आज की बैठक को उद्देश्य शामिल होकर समाज की एक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की रूपरेखा तैयार की गई। इस जागरूकता संदेश को समाज के हर घर तक

अपनाघर आश्रम ने घर से बिछुड़े हुए को मिलवाया अपनो से

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। संतोष कुमार जनकी देवी गुरुकृष्ण अपनाघर आप्राम विवेकानंद नार अलवर में रविवार को दो साल से घर से निकले हुए यशराज को प्रिया देनेश भावना पर सुर्दू किया। यशराज को 19.3.2025 को मोती ड्यूरी अलवर से रेस्टर्यू कर मानसिक अस्वस्था की स्थिति में अपनाघर आश्रम में सेवा एवं उपचार हेतु भर्ती किया था। उपचार के बाद यशराज द्वारा बताये गए गाँव बोंगा, थाना इचाक, जिला हजारीबाग जारखंड के सरपंच के मोबाइल को गूगल सर्च कर, समर्पक किया गया और परिवारों को सूचीबद्ध किया। कल दिनोंके 17.5.25 की राति में पिता दिनेश भूर्ज तथा भाई जसवंत जारखंड से अपनाघर आश्रम अलवर पहुंचे और दो साल से बिछुड़े यशराज से मिलकर भावुक हो गये। सुर्दू करते समय की फोटो संलग्न है। आप्राम के अध्यक्ष सर्तार सारस्वत ने बताया कि शनिवार आप्राम भ्रातुरी को राजगढ़ी लिया गया। उन राजमंत्री शर्मा ने वन नाकांओं के औचक राजवारण के दौरान निर्देश दिये कि कार्मिक नाका पर अलर्ट रहकर अपने दिवायियों को निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अपार्टमेंट पंजिकों की जांच करें हुए कार्मिकों की गैर हाजिरी लगाई। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्यालय परिसर में सफ-सफाई व्यवस्था को विशेष ध्यान रखें। उल्लेखनीय है कि बन मंत्री शर्मा ने 4 मई को भी तहत रेजने के वनानाका नाका कण्डला एवं अचूक नाकों के उल्लेख किया। इस नाकों का उल्लेख दिया गया। अतिथि दर्ज होते के साथ-साथ अनुपस्थित कार्मिकों के अवकाश का उल्लेख किया गया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार की सहमति के बाद आर्फ़ डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार की सहमति के बाद आर्फ़ डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार की सहमति के बाद आर्फ़ डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार की सहमति के बाद आर्फ़ डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार की सहमति के बाद आर्फ़ डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार की सहमति के बाद आर्फ़ डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार की सहमति के बाद आर्फ़ डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र गौरव गुप्ता ने अपने पिता की अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेतृत्व कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेता दान से किन्होंने को आंखों को नेतृत्व करने के लिए प्रेरित है। तदपरांत उनकी सूचना पर डॉ आर्फ़ राहीस्टर्यू को नियामन पर पहुंच कर परिवार क



श्रद्धा के 35 टुकड़े करने वाले आफताब को सजा कब

ठीक 3 साल पहले, तारीख 18 मई 2022, दिल्ली के महारौली में रहने वाले आफताब और श्रद्धा का झगड़ा हो गया। दोनों लिव इन दिलेशनशिप में थे। गुस्से में आफताब ने श्रद्धा का गला घोंटकर मर्डर कर दिया। यात भर डेडबॉडी के साथ ही रहा। इंटरनेट पर लाश ठिकाने लगाने के तरीके सर्च करता रहा। अगली सुबह घर से निकला, मार्केट से एक बड़ा फिज और आरी खरीदकर लौटा। श्रद्धा की लाश के 35 टुकड़े किए और फिज में रख दिए। फिर धीरे-धीरे उन्हें छतरपुर के जंगलों में फेंकता रहा।

हर सुनवाई में लाई जाती हैं श्रद्धा की हड्डियां, मर्डर का औजार और फिज

अब तीन साल बाद, तारीख 18 मई 2025, श्रद्धा मर्डर केस दिल्ली के साकेत कोर्ट में है। अभी गवाहियां चल रही हैं। इस दोस्रान आफताब बार-बार वकील बदलता रहा। चेहरे पर कोई पञ्चायती नहीं। पुलिस से जुड़े सोसं बातों पर हैं कि वो कोर्ट में बिल्कुल चुप रहता है। सिर्फ अपने वकील से बात करता है। इस में हमेशा केस की चार्जेंस्ट होती है। केस की अपेंट जानने के लिए श्रद्धा का केस लड़ रहीं वकील सीमा कुशवाहा से बात की। वे बताती हैं कि कोर्ट में फिलहाल केस की सबसे अहम कड़ी इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर राम सिंह की गवाही हो रही है। आफताब ने उनके सामने ही श्रद्धा के 35 टुकड़े करने की बात कबूल की थी। उधर, श्रद्धा और आफताब जिस फ्लैट में रहते थे, वो अब भी बंद है।

कुल 212 गवाह, 169 की गवाही हो चुकी

सीमा कुशवाहा बताती हैं, श्रद्धा मर्डर केस के द्वायल का अभी सबसे कर्शनियल टाइम है। कोर्ट में इस वक्त गवाह की जगह वो शरक्त खड़ा है, जो इस केस का इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर राम सिंह है। 169 गवाहों की गवाही हो चुकी है। इनकी गवाही फरवरी के अखिल केस लड़ रही थीं और अभी बच्चे और तारीखों पर डंडा

‘इन वक्त कोर्ट में श्रद्धा के निर्दर्शन से मर्डर की कहानी, हर सबूत, हर गवाह के साथ एक तरह से दोबारा सुनाई जा रही है। इस गवाही के जरिए कोर्ट में और सप्लाइमेंट्री चार्जर्शीट में लिखी हर बात और दर्ज सबूत से दोबारा गुजर रहा है।

3 साल बाद आ रही फैसले की घड़ी

एडवोकेट सीमा कुशवाहा कहती हैं, “हम कब्लूजन के काफी करीब खड़े हैं। मैंने और सप्लाइमेंट्री चार्जर्शीट में 212 गवाहों के नाम हैं। सभी अमलों की गवाही हो चुकी है। अब जो गवाह बाकी हैं, उनमें ज्यादातर ऐसे हैं, जिनमें कुछ से एफडीवट लिया जाए। उन्हें कोर्ट में आने की जस्तर नहीं है।” आरोपी आफताब पूनावाला के डिफेंस लॉयर ने जानबूझकर इस केस को लंबा खींचा। कभी तारीखों पर नहीं आए, तो कभी दूसरे केस का बहाना बनाकर तारीखों में लंबा गेप करवाया। बिना डिफेंस के लॉयर के किसी गवाह की गवाही नहीं नहीं हो सकती।

आफताब को सजा दिलाने में राम सिंह सबसे अहन कड़ी

सीमा कुशवाहा आगे कहती हैं, “इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर राम विहंग अहम कड़ी हैं। उन्हें ही आफताब से बूझाइ की थी और उससे श्रद्धा के 35 टुकड़ों का सारांश हासिल किया था। अब जिन्हें गवाही हुई, उनमें सबसे लंबी गवाही राम सिंह की ही है। फरवरी के अखिल से उनकी गवाही शुरू हुई थी और अब तक पूरी नहीं हुई है। अब तक जिस तरह से गवाही चल ही है, उससे लंगता है कि 2-3 तारीखें और लगभगी। इसके बाद डिफेंस का लॉयर उनसे त्रोंकूश करेगा।” इसे ऐसे समझिए इस केस में अब इकट्ठा तथ्यों, सबवां और गवाही को राम सिंह फिर सुना जा रहा है। इन्वेस्टिगेशन के जरिए सामने आई मर्डर की पूरी कहानी तथ्यों के साथ वितार से न सिर्फ सुने जा रही है, बल्कि हर तथ्य पर डिफेंस का लॉयर सवाल भी करेगा।

केस के 5 सबसे बड़े सबूत



1 श्रद्धा की हड्डियां, इनका DNA टेस्ट किया गया, सैंपल श्रद्धा के पिता से मैच करवाया, रिपोर्ट पॉजिटिव आई



2 लास्ट सीन ऑफ थ्योरी, इससे पता चलता है कि श्रद्धा को लास्ट टाइम उसी घर में देखा गया, इसके बाद वो कहीं नहीं दिखी



3 साल 2020 में मुंबई के बसोर्डी थाने में श्रद्धा ने आफताब के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी, इसमें लिखा है कि श्रद्धा ने कहा था आफताब हमेशा उसे धमकाता है, उसके टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी देता था, गला दबाकर मारने की कोशिश की, ये रिपोर्ट आफताब के क्रिमिनल कंडक्ट और उसकी प्लानिंग के बारे में बताती है



4 फोरेंसिक रिपोर्ट

5 आफताब का नार्को टेस्ट

(श्रद्धा का केस लड़ रहीं वकील सीमा कुशवाहा के मुताबिक)

श्रद्धा मर्डर केस



तारीख : 18 मई, 2022

आफताब अमीन पूनावाला ने अपनी लिव-ड्व पार्टनर श्रद्धा वालकर की हत्या कर दी



दोनों दिल्ली के महरौली में किराए पर रह रहे थे, आफताब दो दिन डेडबॉडी के साथ ही रहा

इस दौरान गूगल पर डेडबॉडी ठिकाने लगाने के तरीके खोजता रहा



श्रद्धा की डेडबॉडी के 35 टुकड़े करके फिज में रख दिए, रात में उन्हें छतरपुर के जंगलों में फेंकता रहा

14 नवंबर 2022 को पुलिस ने आफताब को अरेस्ट किया, उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया



9 मई 2023 को आफताब पर हत्या का आरोप तय किया गया, तभी से केस की सुनवाई चल रही है

क्रूरता की पूरी कहानी

श्रद्धा के टुकड़े किए, चेहरा जलाया, फिर टुकड़े जंगल में फेंकता रहा

श्रद्धा के अफताब और श्रद्धा के टुकड़े के बीच का विवरण यह है।

अफताब और श्रद्धा पहली बार सुंदरी में मिले थे।

फिर 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

अप्रैल 2022 को वर्ष में फ्लैट किए गए थे।

